सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 176 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 31 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सच्चाई का सामना ऐसे कीजिये जैसे कि वो है, ना की जैसी थी या आप उसे जैसा होना चाहते हैं।

-जैक वेल्च

भारत ने किया श्रीलंका का टी-20 सीरीज... 7 | सियासत चमकाने की कवायद में... 3 | बीजेपी वाले से कोई उम्मीद... 2

जाति को लेकर संसद से सड़क तक संग्राम

अनुराग ठाकुर के बयान पर विपक्ष का हंगामा

कांग्रेस ने की माफी की मांग, भाजपा का भी पलटवार

» विपक्ष ने पीएम मोदी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर की राहुल गांधी पर जाति संबंधी टिप्पणी करने के दूसरे दिन संसद में जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को इस मुद्दे को लेकर जमकर घेरा। हंगामा इतना बढ़ गया कि लोकसभा की कार्रवाई स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के सदस्यों ने बीजेपी से माफी की मांग की। वहीं बीजेपी ने अपने सासंद का बचाव किया। उधर इस मुद्दे को लेकर संसद के बाहर भी नेताओं के बयान आते रहे। विपक्षी दलों के हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही दुबारा शुरू हो गई है।

लोकसभा में जाति जनगणना पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के भाषण के बाद विपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि कांग्रेस ठाकुर के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पर विचार कर रही थी।

मेरा नाम मेरे बाप ने सोच समझकर ही रखा है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान काफी आहत हो गए। दरअसल बीजेपी सासंद घनश्याम तिवारी ने मल्लिकार्जुन खरगे के नाम पर कुछ टिप्पणी की थी, जिससे कांग्रेस अध्यक्ष आहत हो गए। उन्होंने जवाब में कहा कि मेरे पिता ने मेरा नाम बहुत ही सोच समझकर रखा था, वहीं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आश्वासन देते हुए कहा कि वह घनश्याम तिवारी के बयान को एक बार फिर से देखेंगे, हालांकि उनका मकसद खरगे को आहत करने का नहीं रहा होगा। खरगे ने कहा कि उनका नाम उनके पिता ने सोच समझकर ही रखा है, उनके पिता चाहते थे कि 12 ज्योतिर्लिंग में से एक उनके बेटे का नाम हो, घनश्याम तिवारी को उनके नाम से क्या दिक्कत है, जो उन्होंने ऐसा बोला, उन्होंने परिवारवाद का भी आरोप लगाया, जबकि वह अपने परिवार से राजनीति में आने वाले पहले सदस्य है।

असभ्य व्यवहार का हमारे सार्वजनिक संवाद में कोई स्थान नहीं : कार्ति पी. चिदंबरम

कांग्रेस सांसद कार्ति पी.चिदंबरम ने कहा कि इस दिन और युग में, अगर किसी को इतनी प्राचीन चीज़ के बारे में प्रश्न पूछने की ज़रूरत है तो यह अप्रिय है। मैंने हमेशा कहा है कि इस तरह के असभ्य व्यवहार का हमारे सार्वजनिक संवाद में कोई स्थान नहीं है।

ठाकुर से ऐसी उम्मीद नहीं : दिग्विजय सिंह

सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि बदतमीज़ है, उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी और पीएम उनका समर्थन करेंगे, ऐसी उम्मीद नहीं थी। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि यह ठाकुर जी का स्वभाव है। आप उनकी मानसिकता समझ सकते हैं। अगर वह इस स्तर तक गिर कर बोल सकते है...तो इसका मतलब है कि आपकी नींव कमजोर है।

राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के साथ खड़े हैं : मनिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि यह बीजेपी के अहंकार को दर्शाता है। हम सभी जानते हैं कि अनुराग ठाकुर हमेशा अलग तरीके से सोचते हैं। उनकी एक पदानुक्रमित मानसिकता है। राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि राहुल गांधी हर उस व्यक्ति के लिए खड़े हैं जो उत्पीड़ित है, आवाजहीन है। राहुल गांधी का जवाब बेहद सौम्य, सच्चा और शालीन था। उन्होंने जवाब दिया कि आप सदन में जितनी शर्तों पर अपमान करना चाहें कर सकते हैं लेकिन मैं सामाजिक न्याय के लिए खड़ा रहूंगा ।

हमारी जाति है देश की सेवा करना : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि देश को जरूरत है कि हम धर्म और जाति से ऊपर उठकर देश की सेवा करें, भारत माता की सेवा करें। हमारी जाति है देश की सेवा करना और धर्म है भारत माता को आगे ले जाना। ये वे लोग हैं जो देश को इस तरह से ढालना चाहते है जो उनके लिए राजनीतिक रूप से सुविधाजनक हो...उन्होंने जो कहा वह निंदनीय है, मुझे उम्मीद है कि उनके नेता उनसे माफी मांगेंगे।

नाटकबाजी कर रही कांग्रेस व बीजेपी : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी नेता और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता, हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर की बहस के बीच टिप्पणी की है। बसपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- कल संसद में खासकर जाति व जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस व बीजेपी आदि में जारी तकरार नाटकबाजी तथा ओबीसी समाज को छलने की कोशिश, क्योंकि इनके आरक्षण को लेकर दोनों ही पार्टियों का इतिहास खुलेआम व पर्दे के पीछे भी घोर ओबीसी-विरोधी रहा है. इन पर विश्वास करना ठीक नहीं।

माहौल कांग्रेस के पक्ष में एकजुट रहें : सोनिया

» सीपीसी की बैठक में बोलीं- लोकसभा चुनाव के झटके से मोदी सरकार ने नहीं लिया सबक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया। सोनिया ने कहा कि इस वक्त माहौल कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और लोकसभा चुनाव में पार्टी ने जो साख बनाई है, उसे बरकरार रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, ''हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी।

इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने और भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है। सोनिया ने कहा कि हमें बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है। न ही हमें अति-आत्मविश्वास से भरना है। मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। नौकरशाही को आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया।

विधानसभा चुनावों को लेकर भरा जोश

सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। माहौल हमारे पक्ष में है, लेकिन हमें लक्ष्य को ध्यान में रखने की भावना के साथ एकजुट होकर काम करना होगा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि कांग्रेस आगामी चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करती है तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा। उन्होंने वायनाड में भूस्खलन में 100 से अधिक लोगों की मौत पर दुख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में किसानों और युवाओं को नजरअंदाज किया गया है।

सरकार का जनगणना कराने का इरादा नहीं

सोनिया गांधी ने कहा, ये बिल्कुल साफ है कि सरकार का जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है, जो 2021 से पेंडिंग पड़ी है। इसकी वजह से हमें देश की जनसंख्या, विशेषकर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की संख्या के बारे में मालूम नहीं चल रहा है, इसके चलते हमारे कम से कम 12 करोड़ नागरिक पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभ से वंचित हैं।

बजट ने किसानों और युवाओं को किया निराश

बजट में विशेष रूप से किसानों और युवाओं की महत्वपूर्ण मांगों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवंटन ना पूरा कर आवश्यक कार्यों के साथ न्याय नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और अन्य लोगों द्वारा बजट और इसकी तथाकथित उपलब्धियों के बारे में बात करने के बावजूद व्यापक निराशा है। केंद्र सरकार खास तौर पर इसके शीर्ष नेतृत्व के बीच भ्रम है, क्योंकि देशभर में करोड़ों परिवार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से तबाह हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात बदतर

कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर सोनिया गांधी ने सरकार को जमकर घेरा और उसके हालात सामान्य होने के दावे पर सवाल उठाए। सोनिया ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में बेहद परेशान करने वाली खबर है, पिछले कुछ हफ्तों में अकेले जम्मू क्षेत्र में कम से कम ग्यारह आतंकी हमले हुए हैं, घाटी में भी ऐसे हमले हुए हैं, सुरक्षाकर्मियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की जान गई है, यह मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे उन दावों का मजाक उड़ाता है कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है।

बीजेपी वालों से कोई उम्मीद नहीं : अखिलेश

» लव जिहाद कानून को लेकर सपा प्रमुख ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। ये हमला उन्होंने यूपी में लव जिहाद कानून के विधान सभा में पास होने के बाद कही। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि ये लव जिहाद जो कानून आ रहा है, उससे भाजपा से आप क्या उम्मीद करते हैं? ये नौकरी थोड़ी देंगे, इन्होंने महंगाई बढ़ाई, नौकरी नहीं दी और अभी भी वे उसी रास्ते पर हैं जिसकी वजह से वे हारे हैं। ये इस तरह का कानून इसलिए ला रहे हैं क्योंकि इनका साम्प्रदायिकता का दीया बुझने जा रहा है? चाचा को गच्चा किसी ने नहीं दिया, ये दिल्ली वालों को गच्चा दे रहे हैं। ये सह-योगी हैं, जिन्होंने सहयोग दिया है।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 विधानसभा में पेश किया, जिसमें लव जिहाद मामलों में आजीवन कारावास की कठोर सजा का प्रस्ताव किया गया है। जहां भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष नाखुश नजर आया और इसे भाजपा द्वारा नकारात्मक राजनीति करने के लिए विभाजनकारी कदम बताया। यह

कहते हुए कि उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 के तहत मौजूदा प्रावधान अपर्याप्त हैं, योगी सरकार ने मौजूदा विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव दिया, जिसमें सजा को अधिकतम दस साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास, जमानत देना शामिल है। सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का भाजपा ने स्वागत करते हुए कहा है कि यह कदम सही दिशा में उठाया गया कदम है। हालांकि, समाजवादी पार्टी ने इस कदम को विभाजनकारी करार दिया, जिसका उद्देश्य समाज में शत्रुता पैदा करना है।

सीएम ने दिल्ली को गच्चा दिया

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को अपने चाचा शिवपाल यादव को राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता नहीं मिलने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी पर पलटवार किया। यूपी विधानसभा सत्र के दौरान योगी आदित्यनाथ ने नए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी पर हमला बोला था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं आपको नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपके चयन के लिए बधाई देता हूं।

प्रदेश सरकार अपने काम में अधिक रुचि दिखाए : डिंपल

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को अपने काम में अधिक रुचि दिखानी चाहिए। मैनपुरी सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल इलाका बाढ़ की मार झेल रहा है। बिजली संकट है, गांवों में हफ्तों तक बिजली कटौती हो रही है। वह जिस पद पर हैं, अगर वह अपने काम और युवाओं के लिए नौकरियों पर ध्यान दें तो मुझे लगता है कि यह उत्तर प्रदेश और देश के हित में होगा।

ओपी राजभर पर सपा ने किया तीखा कटाक्ष

लखनऊ। यूपी की विधानसभा में ओपी राजभर के सामने असहज स्थिति पैदा हो गई। सपा सदस्य महबूब अली ने मदरसा शिक्षकों के समायोजन को लेकर प्रश्न किया तो मंत्री ओपी राजभर ठीक से जवाब नहीं दे सके। इस पर आपत्ति हुई तो विधानसभा अध्यक्ष ने उनसे शासनादेश पढ़ने को बोल दिया। राजभर ने शासनादेश पढ़ना शुरू किया, लेकिन अंग्रेजी में होने से वे अटकने लगे। इसे लेकर सपा सदस्यों ने चुटकी ले ली। यह देख विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप सपा सदस्य को शासनादेश उपलब्ध करा दीजिएगा। उनके अंग्रेजी न पढ़ पाने का हंसी-मजाक देर तक चलता रहा। जल जीवन मिशन को लेकर सपा सदस्यों के सवाल का मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने जवाब दिया। सपा के बागी विधायक अभय सिंह को भी इस संबंध में प्रश्न पूछना था। बारी आने पर अभय ने सरकार के जवाब से संतुष्टि जताई तो सपा सदस्यों ने तंज कसते हुए कहा कि इस्तीफा दे दो और दूसरी तरफ ज्वाइन कर लो।

आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए सरकार : फारूक

» बोले- लगातार हो रहे आतंकवादी हमले बड़े संघर्ष का रूप ले सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले देश के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि ऐसी घटनाएं बड़े संघर्ष का कारण बन सकती हैं। अब्दुल्ला ने कहा हम चाहते हैं कि दोनों देशों (भारत और पाकिस्तान) के बीच शांति बनी रहे, लेकिन इसके उलट टकराव का माहौल बनाया जा रहा है।

हमें डर है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक समय ऐसा आएगा जब भारत बर्दाश्त नहीं करेगा और लोग चाहेंगे कि सरकार आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ रहा है क्योंकि उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर आतंकवादी सीमा पार से आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद बढ़ रहा

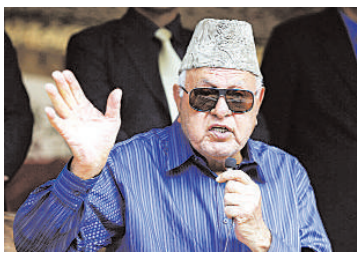

है... अल्लाह हमें इससे बचाए। हम प्रार्थना करेंगे कि वे (पाकिस्तानी) भी समझदार बनें। मुद्दे इस तरह से हल नहीं हो सकते, वे केवल जटिल हो सकते हैं। हम प्रार्थना करेंगे कि वे शांति की दिशा में काम करें और हम वह दिन देखें। पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर में हमले करने के लिए उच्च प्रशिक्षित कमांडो भेजे जाने की खबरें आ रही हैं। इस बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि अब तक हुए हमलों के तरीके से संकेत मिलता है कि हमलावर सैनिकों के विशिष्ट समूह के सदस्य हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''प्रशिक्षित लोग आ रहे हैं, शायद वे कमांडो हैं।

केजरीवाल की जान खतरे में : सुनीता

» इंडिया ब्लॉक रैली में लगाए आरोप, कहा- रची जा रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है, अरविंद केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में आरोप लगाया कि भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री को एनडीए के सांसद के झूठे बयान पर ईडी ने गिरफ़्तार कर लिया। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी अपने वक़ील के ही भाई की कोर्ट में जाकर जमानत रुकवा दी। फिर सीबीआई ने इन्हें गिरफ़्तार कर लिया। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि जेल में

केजरीवाल जी की शुगर 50 से नीचे चली जाती है जो उनकी ज़िंदगी के लिए ख़तरनाक है और एलजी कहते हैं कि केजरीवाल जी जानबूझकर इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। क्या कोई अपनी ख़ुद की जान ख़तरे में डालता है? ये अरविंद केजरीवाल जी को साज़िश गिरफ़्तार कर, दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं क्योंकि वो इनसे लड़कर दिल्ली के लोगों के कामों को करवा लेते हैं।

केजरीवाल तानाशाह से नहीं डरेंगे : संजय सिंह

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार ने दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को जेल डालकर रखा है। नरेंद्र मोदी को मैं कहना चाहूंगा कि अगर आप तानाशाह हैं तो हम आप के सिपाही हैं। आज जेल में अरविंद केजरीवाल जी का शुगर लेवर कई बार 50 के नीचे जा चुका है और वहां उनकी तबीयत के साथ बीजेपी खिलवाड़ कर रही है।

उजागर हुआ कांग्रेस का दोहरा चेहरा : सचदेवा

दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि लोग इंडी गठबंधन के नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का समर्थन करते देखकर हैरान हैं, जिन्हें कोर्ट ने जेल में रखा है। यह समझना कठिन है कि इंडी गठबंधन ने किसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया, क्योंकि केजरीवाल के खिलाफ मामले जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज किए गए हो सकते हैं, लेकिन उन्हें जेल में रखना या जमानत देना न्यायपालिका का निर्णय है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सत्ता में रहने के लिए नहीं बल्कि देश की सेवा करने के लिए है हम : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बच्चों के प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनने के सवाल पर संघ प्रमुख का जवाब

अमरोहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत अक्सर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हैं। वहीं, हाल ही में वह उत्तर प्रदेश के अमरोहा में श्री दयानंद गुरुकुल कॉलेज में एक नए भवन के उद्घाटन में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान एक छात्र ने भागवत से पूछा कि उन्होंने अब तक भारत के प्रधान मंत्री जैसा कोई प्रमुख पद या कोई अन्य महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं निभाई? इसके जवाब में भागवत ने कहा कि उनके जैसे कार्यकर्ता यहां सत्ता में रहने के लिए नहीं बल्कि देश की सेवा करने के लिए हैं। उन्होंने कहा, हम यहां कुछ बनने के लिए नहीं आए हैं। हम यहां देश के लिए काम करने आए हैं।

चाहे हम चार दिन रहें या न रहें, हमारी मातृभूमि का गौरव अमर रहे। आगे बोलते हुए, भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत रूप से पूछे जाने पर कोई भी आरएसएस स्वयंसेवक एक शाखा चलाने की इच्छा व्यक्त करेगा। उन्होंने कहा कि आरएसएस के आदेश सर्वोच्च हैं और उन्होंने खुद को संगठन के काम के लिए पूरी तरह समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि देश के प्रति प्रतिबद्धता नहीं होती तो कोई भी अपना घर नहीं छोड़ता।

सियासत चमकाने की कवायद में जुटे नेता जी

टीडीपी, आप व भाजपा ने शुरू किए नए-नए दांव

महाराष्ट्र, गुजरात से लेकर आंध्र तक सियासी दल जनाधार बढ़ाने में जुटे

» नायडू, फणनवीस समेत कई दिग्गज हुए सक्रिय

» जेल में बीजेपी करवा रही विपक्षी नेताओं पर अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

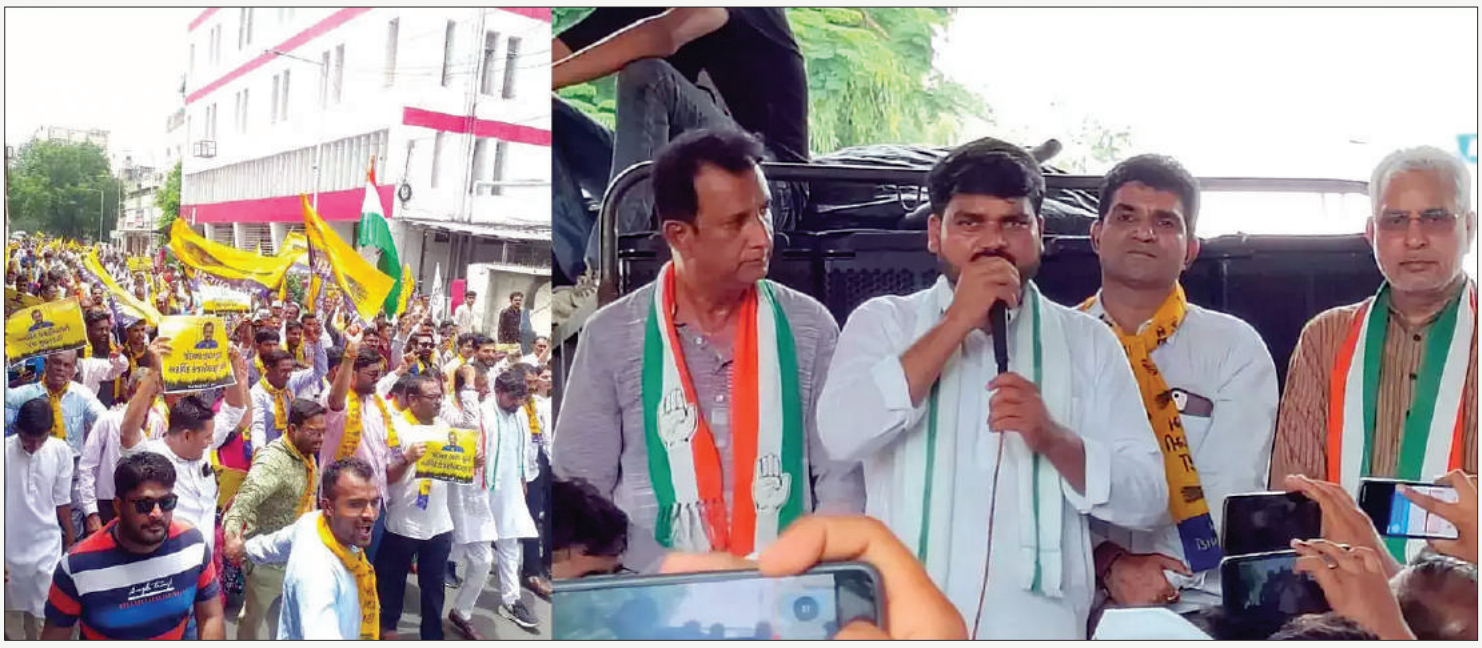

नई दिल्ली। गुजरात में जहां कांग्रेस अपने को मजबूत करने में लगी हैं वहीं आप की भी तैयारी कम नहीं हैं। वह केजरीवाज की रिहाई के लिए वहां पर पूरे जोरशोर में प्रदर्शन करन में जुटी हैं। वहीं अन्य दल भी गुजरात में अपना खाता खोलने के फिराक में हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई को लेकर गुजरात के अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी ने पदयात्रा करके हुंकार भरी। आप के प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने शिरकत की। लोकसभा चुनावों के बाद पहली बार कांग्रेस नेता आप के मंच पर दिखे। दोनों दलों ने लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। लोकसभा चुनावों में बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की दोस्ती दिल्ली और हरियाणा में भले ही खत्म हो गई है लेकिन गुजरात में इंडिया गठबंधन के तहत दोनों पार्टियां एक साथ हैं। मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर अहमदाबाद में प्रदर्शन किया। लंबे समय बाद सड़क पर उतरी आम आदमी पार्टी के इस प्रदर्शन में कांग्रेस के नेताओं ने भी शिरकत की। गुजरात में कांग्रेस और आप ने मिलकर चुनाव लड़ा था। राज्य की 26 लोकसभा सीटों पर दो सीटें आप और बाकी पर कांग्रेस लड़ी थी। इसमें पार्टी के दूसरे विधायक भी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी की अगुवाई में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस की तरफ विधायक इमरान खेड़ावाला और अहमदाबाद शहर अध्यक्ष हिम्मतभाई पटेल ने इसमें शिकरत की। इस मौके पर इसुदान गढ़वी ने कहा कि जेल में बीजेपी के अत्याचार झेल रहे अरविंद केजरीवाल का स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को ख़त्म करने की साजिश रचकर केजरीवाल जी को झूठे मामलों में जेल भेजा गया। आप नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य और जेल से रिहाई के लिए प्रार्थना की। विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम को आप गुजरात विधायक दल के नेता चैतर वसावा ने भी संबोधित किया है। वसावा ने कहा कि आम आदमी पार्टी को खत्म करने की साजिश में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को झूठे मामलों में जेल में डाल दिया गया है।

गुजरात में भाजपा को घेरा

आम आदमी पार्टी ने अहमदाबाद स्थित प्रदेश कार्यालय से इनकम टैक्स ऑफिस पदयात्रा निकाली। इसमें अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य और जेल से रिहाई के लिए प्रार्थना की। लोकसभा चुनावों के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी की तरफ से आयोजित किए गए कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले राहुल गांधी के दौरे में आप नेता नहीं पहुंचे थे। दोनों दलों के बीच समन्वय देखने को नहीं मिला था, लेकिन दो राज्यों में भले ही कांग्रेस और आप की राहें अलग हो गई हैं लेकिन गुजरात में दोनों दलों के एक साथ रहने की संभावना है। गुजरात में आने वाले दिनों में दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव हो सकता है। इसमें बनासकांठा की वाव और जूनाग? जिले की विसावदर सीट शामिल है। विसावदर सीट आप विधायक के बीजेपी में जाने से खाली हुई है जबकि वाव सीट गेनीबेन ठाकोर के सांसद बनने के बाद खाली हुई है।

लोगों से जुड़ने के लिए नायडू ने खोला पिटारा

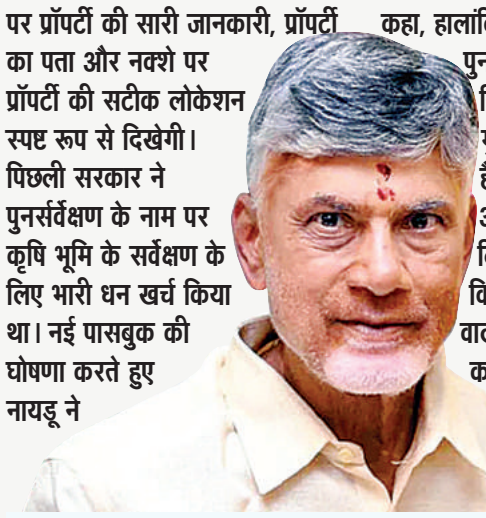

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने भूमि मालिकों को आधिकारिक मुहर के साथ पट्टादार पासबुक जारी करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय 29 जुलाई को लिया गया, जब अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने पासबुक पर अपनी तस्वीरें छपवाने के लिए 15 करोड़ रुपये बर्बाद किए थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य सरकार ने चुनाव प्रचार के दौरान किये गये वादे के अनुरूप और लोगों की मांग के अनुरूप आधिकारिक मुहर के साथ पासबुक जारी करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने पहले ही आधिकारिक मुहर लगी पासबुक की एक प्रति जमा कर दी है। व्यवस्था इस तरह से की गई है कि क्यूआर कोड स्कैन करने पर प्रॉपर्टी की सारी जानकारी, प्रॉपर्टी का पता और नक्शे पर प्रॉपर्टी की सटीक लोकेशन स्पष्ट रूप से दिखेगी। पिछली सरकार ने पुनर्सर्वेक्षण के नाम पर कृषि भूमि के सर्वेक्षण के लिए भारी धन खर्च किया था। नई पासबुक की घोषणा करते हुए नायडू ने कहा, हालांकि केंद्र ने कभी भी पुनर्सर्वेक्षण के लिए दिशा-निर्देशों में पत्थर लगाने के मुद्दे का उल्लेख नहीं किया है, श्री जगन ने केवल अपनी तस्वीरें उकेरने के लिए ग्रेनाइट पत्थर तैयार किए हैं। जगन की तस्वीरों वाले 77 लाख ग्रेनाइट पत्थरों का क्या किया जाए, इस पर सरकार की ओर से कवायद चल रही है।

जगन पर बरसे टीडीपी अध्यक्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्थरों से इन तस्वीरों को हटाने के अस्थायी अनुमान पर 15 करोड़ रुपये और खर्च हुए। श्री जगन की अपनी तस्वीरों की लालसा के कारण 700 करोड़ रुपये की सार्वजनिक धनराशि बर्बाद हो रही है। घोषणा के बाद, राज्य के शिक्षा मंत्री, नारा लोकेश ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि पट्टादार पासबुक पर आंध्र प्रदेश का प्रतीक होगा। उन्होंने जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उनकी सरकार ने राज्य को वित्तीय संकट में डाल दिया है।

महाराष्ट्र में तस्वीर से सियासी तकदीर बदलने की तैयारी

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सांगली से जनसुराज्य शक्ति पार्टी के युवा विंग के अध्यक्ष समित कदम का नाम लिया, जिन्होंने कथित तौर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री को फंसाने वाले एक हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के कहने पर तीन साल पहले उनसे मुलाकात की थी। देशमुख ने कहा कि तीन साल पहले, जब देवेंद्र फडणवीस विपक्ष के नेता थे, उन्होंने समित कदम को पांच या छह बार भेजा था। वह तीन साल पहले एक सीलबंद लिफाफे के साथ मुझसे मिलने आए थे। हलफनामे में झूठे आरोप थे। देशमुख ने कहा कि उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे के खिलाफ और अजित पवार एक निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं, भले ही उनके पास वाई श्रेणी की सुरक्षा है। इस बीच, देशमुख ने देवेंद्र फडणवीस के साथ कदम की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा कि उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी उपलब्ध हैं। यह तब आया है जब भाजपा ने शरद पवार और आदित्य ठाकरे जैसे एमवीए नेताओं के साथ कदम की तस्वीरें साझा कीं। इस मुद्दे पर सफाई देते हुए समित कदम ने कहा कि मकसद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि को नुकसान पहुंचाना है। अनिल देशमुख ने देवेन्द्र फडनवीस के साथ मेरी तस्वीरें दिखाईं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने मुझे वो तस्वीरें दिखाईं जो मेरे पास हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम। यह देशमुख ही थे जिन्होंने मुझे मिलने के लिए बुलाया, विशेष रूप से केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उनके खिलाफ दायर मामलों में मदद करने के लिए। देशमुख ने दावा किया था कि एक पेन ड्राइव है जिसमें इस बात के सबूत हैं कि कैसे ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से फड़नवीस ने कथित तौर पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने के उद्देश्य से झूठे हलफनामों पर हस्ताक्षर करने के लिए उन पर दबाव डाला था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मनु के कमाल से युवा होंगे प्रेरित

मनु ने दोनों कांस्य पदक हासिल कर भारत की पहली ऐसी महिला खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त कर लिया जिसने एक ही ओलंपिक में दो मेडल पर कब्जा किया है। वहीं जब पूरा देश यह आस लगाए बैठा है कि पेरिस ओलिंपिक में हमारे ऐथलीट तोक्यो में जीते अब तक के सबसे ज्यादा 7 पदकों का रेकॉर्ड तोड़कर नई और लंबी लकीर खींचेंगे, तब मनु भाकर की जीत की खबर ने स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना बढ़ा दिया है।

हौसले हो तो मुश्किलें छोटी हो जाती हैं। हरियाणा के छोटे से शहर झज्जर की रहने वाली मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मनु ने निशानेबाजी में दो कांस्य पदक हासिल किए। पहला पदक उन्हें व्यक्तिगत स्पर्धा में मिला जबकि दूसरा टीम इवेंट में मिला। जिसमे उनके जोड़ीदार सरबाजोत सिंह थे। मनु ने दोनों कांस्य पदक हासिल कर भारत की पहली ऐसी महिला खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त कर लिया जिसने एक ही ओलंपिक में दो मेडल पर कब्जा किया है। वहीं जब पूरा देश यह आस लगाए बैठा है कि पेरिस ओलिंपिक में हमारे ऐथलीट तोक्यो में जीते अब तक के सबसे ज्यादा 7 पदकों का रेकॉर्ड तोड़कर नई और लंबी लकीर खींचेंगे, तब मनु भाकर की जीत की खबर ने स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना बढ़ा दिया है। उनका यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि यह पेरिस ओलिंपिक में किसी भारतीय ऐथलीट का पहला मेडल है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक चमक के पीछे कई और बातें हैं। अभी एक मेडल की खुशी खत्म भी नहीं हुई थी कि दूसरे मेडल ने भारतीय की खुशी को चार गुना कर दिया।

पहली बात तो यह कि मनु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कामयाब निशाना लगाकर एक साथ कई कीर्तमान स्थापित कर दिए हैं। वह ओलिंपिक मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला शूटर हो गई हैं। इससे पहले इस ऑल बॉयज क्लब में राज्यवर्धन सिंह राठौर, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार ही थे। यही नहीं, मनु पिछले 20 साल में किसी इंडिविजुअल इवेंट में ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला भी बनीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मुकाबले में तो आज तक कोई महिला शूटर ओलिंपिक फाइनल में भी नहीं पहुंची थी। अहम रही यात्रा: मनु जिस मंजिल पर पहुंची हैं, उसे उनकी उतार-चढ़ाव भरी यात्रा भी खास बनाती है। मात्र 19 साल की उम्र में तोक्यो ओलिंपिक तक पहुंचकर वहां अचानक पिस्टल खराब होने की वजह से चूक जाना किसी भी टीनेजर के लिए कितना बड़ा झटका होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। मनु न केवल उस झटके से उबरीं बल्कि अगले ही ओलिंपिक में जीत दर्ज कराकर अपनी फाइटिंग स्पिरिट का सिक्का जमा लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम की नुमाइंदगी करती हैं जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगे हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं। इनमें से कई नाम अगले कुछ दिनों में देश को सुनहरी आभा प्रदान करें तो आश्चर्य नहीं। मनु अब भारत के युवाओं की नई आइकॉन बन जाएंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत अमेरिकी संबंधों की बदलती हकीकत

जी. पार्थसारथी

वाशिंगटन में नाटो संगठन के मुल्क रूस-यूक्रेन युद्ध पर विचार करने के लिए बैठक करने में लगे थे, लेकिन उस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा पर पश्चिमी जगत की भौंहें तन गईं। पिछली रूस यात्राओं की तरह मोदी की यह फेरी भी अनेकानेक मुद्दों पर सफल रही- इनमें सबसे महत्वपूर्ण रहा ऊर्जा और रक्षा सहयोग क्षेत्र में हुआ समझौता। यह ऐसे वक्त पर भी आया जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने भारत के मानवाधिकारों को लेकर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की। इस अजीब रिपोर्ट में भारत को वह देश बताया गया जहां मानवाधिकार हनन होना रोजाना का काम है। इसमें जोर देकर कहा गया कि मणिपुर पूरी तरह प्रभावित है, वहां दुराचार, सशस्त्र टकराव एवं हमले हो रहे हैं, घरों और पूजा स्थलों को तोड़ा जा रहा है, काम-धंधा ठप्प पड़े हैं।

बाइडेन प्रशासन की रिपोर्ट आगे कहती है कि भारत के सिविल सोसायटी कार्यकर्ता और पत्रकार भी इन हालात की तस्दीक करते हैं। इस किस्म का घटनाक्रम किसी भी लोकतंत्र में अचानक घट सकता है, जब लोगों का एक वर्ग हथियार उठा ले। भारत में इस किस्म की घटनाओं की खबरें कोई नई नहीं हैं। लगभग 140 करोड़ लोगों वाले देश में मीडिया रिपोर्टिंग करने के लिए स्वतंत्र है। मणिपुर की बढ़ती हिंसा की प्रतिक्रिया में उम्मीद के अनुसार मोदी सरकार ने सुरक्षा बलों की तैनाती की है ताकि कर्फ्यू लगाकर स्थिति संभाली जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर के कुछ घटनाक्रमों में दखल देकर शांति स्थापना के लिए प्रभावशाली उपाय करने को कहा है। मणिपुर, जो कि चीन की सीमा के पास स्थित है, में हिंसा मोटे तौर पर थम चुकी है। संसद में इस मुद्दे पर तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी है, जिसमें विपक्ष ने मणिपुर को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की है। इस प्रकार के मुद्दे देश के संविधान के ढांचे के भीतर रहकर सुलझाए जा सकते हैं, जिसमें विपक्ष की सक्रिय भागीदारी और सर्वोच्च न्यायालय से गाहे-बगाहे मिलने वाले निर्देश शामिल होते हों।

लेकिन भारत को लेकर ब्लिंकन रिपोर्ट एकतरफा, अयथार्थवादी और राजनयिक सरोकारों से परे प्रतीत होती है। इसको केवल एक गैर-जरूरी प्रयास कहा जा सकता है, जिसके परिणाम में भारत-अमेरिकी रिश्तों में कटुता पैदा हो

सकती है। भारत में हालिया अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर जो मुख्य प्रश्न पैदा हुआ है वह यह कि अगर कमला हैरिस जीतती हैं, तब क्या उनकी सरकार अपने पथप्रदर्शक जो बाइडेन द्वारा हालिया दिनों में अपनाई भ्रमपूर्ण और भारत के प्रति कम मित्रता रखने वाली राह अपनाएगी या फिर वे सामरिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाना चाहेंगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जल्द होने जा रहे हैं। उम्मीद करें कि भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत होगी। रोचक कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल लिखता है, 'कमला हैरिस की उम्मीदवारी बनने से डेमोक्रेट्स नई ऊर्जा के साथ उनके साथ आन खड़े हुए हैं। राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को टक्कर देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तैयारी और आत्मविश्वास अब दिखाई देने लगा है।' राष्ट्रपति चुनाव से पहले के इन कुछ महीनों में अमेरिकी प्रशासन की मुख्य रुचि और ध्यान मुख्यत: रूस-यूक्रेन टकराव पर केंद्रित रहने वाला है, जहां बाइडेन के नेतृत्व वाला पश्चिमी जगत यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद, अस्त्र-शस्त्र जमकर और निरंतर दे रहा है। एक जर्मन संस्थान के अनुसार, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन द्वारा 2022 से यूक्रेन को जो सैन्य, वित्तीय और मानवीय सहायता दी जा चुकी है या आगे मिलेगी वह राशि 380 बिलियन डॉलर बनती है। यूक्रेन युद्ध का असर समूचे यूरोप को महसूस हो रहा है। यहां तक कि अजरबेजान ने भी सूडान के माध्यम से यूक्रेन को बम पहुंचाए हैं। पाकिस्तान ने यह समझकर कि कहीं वह पीछे न रह जाए, यूक्रेन को आत्मघाती ड्रोन, चल-हवाई हमला रोधी प्रणाली और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मुहैया करवाई हैं।

जान-माल की इतनी भारी क्षति वाली यह लड़ाई कब तक चलेगी, कोई नहीं जानता। यह चुनौती आगे भी जारी रहेगी, जब तक कि युद्ध का विरोध करने वाले डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति नहीं चुने जाते। ट्रंप इस बारे में एकदम स्पष्ट हैं कि वे अमेरिकी करदाता का धन यूक्रेन युद्ध में बहाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन, यदि अंतहीन लगने वाली इस लड़ाई के लिए कमला हैरिस ने बाइडेन की धन और हथियार देने की नीतियां आगे जारी रखना चुना तो ट्रंप के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। हो सकता है शांति समझौते की खातिर रूस कब्जाया कुछ इलाका छोड़ने को राजी हो भी जाए लेकिन वह किसी भी सूरत में समुद्र तक जाते पहुंच मार्गों पर, पुराने जमाने से चले आ रहे अपने नियंत्रण पर, समझौता करने को तैयार न होगा।

इंसानी सेहत हेतु जरूरी इनकी उपस्थिति

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि गिद्ध मुफ्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र या वन्यजीवों द्वारा मानव कल्याण में किए जाने वाला योगदान है। मालूम हो, गिद्ध अनिवार्य मैला ढोने वाले होते हैं जो पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, मिट्टी और पानी के दूषित पदार्थों को हटाने और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अली खान

आज यह चिंताजनक बात है कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने वाले गिद्धों की प्रजातियां बड़ी तेजी से खत्म हो रही हैं। गिद्धों के गायब होने के कारण पर्यावरण में रोगाणु अपने पांव पसार रहे हैं। जो इंसानों में घातक संक्रमण के साथ ही साथ जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। दरअसल, स्वच्छ वातावरण के साथ इंसानों की जान को महफूज रखने के लिए गिद्धों की उपस्थिति को नितांत आवश्यक माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 में गिद्धों की आबादी 4 करोड़ थी, जो अब मात्र 60 हजार रह गई है। गौरतलब है कि संकट में आए गिद्ध की प्रजातियां को 2022 में आईयूसीएन की रेड लिस्ट में डाल दिया गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच 5 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसे रोगाणुओं से हुई, जो मरे हुए पशुओं के शव से निकलकर संक्रमण फैलाने की वजह बने। जब इसके बारे में गहन शोध किया गया तो मालूम चला कि इसके पीछे की बड़ी वजह गिद्धों का गायब होना रहा।

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि गिद्ध मुफ्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र या वन्यजीवों द्वारा मानव कल्याण में किए जाने वाला योगदान है। मालूम हो, गिद्ध अनिवार्य मैला ढोने वाले होते हैं जो पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, मिट्टी और पानी के दूषित पदार्थों को हटाने और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के तौर पर ग्रिफॉन गिद्ध जानवरों के शवों से प्राप्त बड़ी मात्रा में सड़ा हुआ मांस खाते हैं, जिससे खाद्य जाल के माध्यम से ऊर्जा का हस्तांतरण होता है। इनकी उपस्थिति जंगली कुत्तों जैसे अन्य वैकल्पिक मैला ढोने वालों की आबादी को नियंत्रित करके बीमारियों के संचरण को सीमित करने में मदद कर सकती है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि गिद्ध हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में सहायक हैं।

हमें यह भी समझने की नितांत आवश्यकता है कि गिद्धों की आबादी और प्रजाति पर विद्यमान संकट कहीं न कहीं पारिस्थितिकी से जुड़ा संकट है। यदि समय रहते गिद्धों के संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में गिद्ध प्रजाति की शुमारी विलुप्त प्रजाति में होगी। जो स्वाभाविक रूप से हमारी चिंताओं में इजाफा करेगी। लिहाजा, गिद्धों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। दरअसल, गिद्ध पक्षी से आम-आदमी परिचित है। इन्हें मुर्दाखोर पक्षी के नाम से भी जाना जाता है। इनकी सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि ये भोजन की तलाश करते समय लंबी दूरी तय करने की अपनी अविश्वसनीय क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

ये बड़े अपमार्जक पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक हैं, जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं। ये प्रकृति के अपशिष्ट संग्रहकर्त्ता के रूप में एक महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण को अपशिष्ट से मुक्त रखने में सहायता करते हैं। भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियों जैसे ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, इजिप्शियन, बियर्डेड, सिनेरियस और यूरेशियन ग्रिफॉन का निवास स्थान है। हालांकि दक्षिण एशियाई देशों विशेषकर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में गिद्धों की आबादी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। इनकी संख्या में कमी का मुख्य कारण 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में पशुओं के उपचार में दर्द निवारक दवा डिक्लोफेनाक का व्यापक उपयोग था। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों की आबादी में 97 प्रतिशत से अधिक की कमी देखी गई, जिससे पारिस्थितिकीय संकट उत्पन्न हुआ।

बता दें कि आमतौर पर पशुओं में दर्द और सूजन का इलाज करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली यह दवा गिद्धों के लिए बेहद विषैली होती हैं। मृत जानवरों के शवों को खाने के बाद गिद्धों की सेहत पर डिक्लोफेनाक दवा? बहुत घातक प्रभाव छोड़ती है। विशेष रूप से डिक्लोफेनाक गिद्धों में घातक गुर्दे की विफलता का कारण बनता है। इससे गिद्धों की मौत हो जाती है। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि गिद्ध एक कुशल, लागत प्रभावी और पर्यावरण के लिए लाभकारी शव निपटान सेवा प्रदान करते हैं जिसे पशुपालक मूल्यवान मानते हैं। पशुओं के शवों को तेजी से खाने की उनकी क्षमता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वाहनों द्वारा शवों के संग्रह और प्रसंस्करण संयंत्रों तक परिवहन से उत्पन्न होने वाली आर्थिक लागतों को काफी कम कर सकती है। हमें यह समझने की निहायत आवश्यकता है कि ये गिद्ध कितने मूल्यवान हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन्हें बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। जिससे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मथुरा वृंदावन का दो दिन का ट्रिप

दिल्ली से मथुरा का सफर यमुना एक्सप्रेस वे से महज ढाई घंटे का है। दिल्ली से आप खुद की गाड़ी या बस से मथुरा जा सकते हैं। यहां घूमने के लिए कई सारे मंदिर हैं। लेकिन दो दिनों की छुट्टी में मथुरा जा रहें हैं तो कुछ प्रसिद्ध और चुनिंदा जगहों को ही घूमने जाएं।

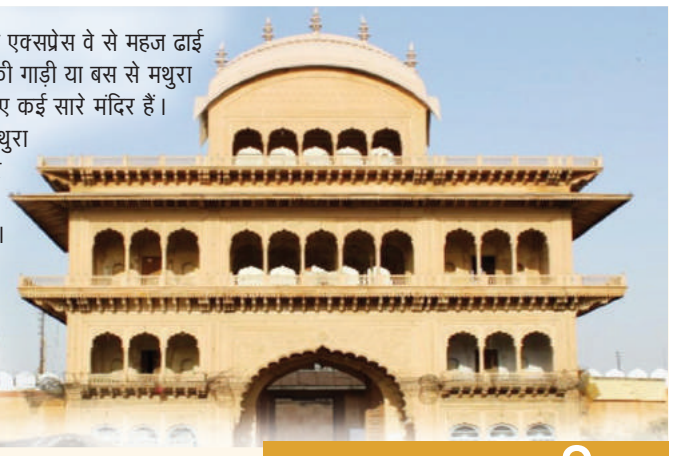

मथुरा-वृंदावन में इन तीर्थ स्थलों की करें सैर

उत्तर प्रदेश के कई तीर्थ स्थलों में मथुरा-वृंदावन का नाम शामिल है। यह स्थल भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। साथ ही कृष्ण जी के बाल जीवन से जुड़ा है। अगर आप श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा घूमने के लिए जाना चाहते हैं तो यहां आपको कई सारे दार्शनिक स्थल मिल जाएंगे। श्रीकृष्ण का जन्म भले ही उनके मामा कंस के महल में बनी जेल में हुआ था लेकिन उनका बचपन गोकुल वृंदावन की गलियों में बिता। इसलिए मथुरा भ्रमण के दौरान श्रीकृष्ण से जुड़ी सभी खास जगहों के दर्शन करने को यहां मिलेंगे। कम पैसों में आप मथुरा वृंदावन को घूम सकते हैं। वैसे तो गोकुल मथुरा की गली गली में खूबसूरत मंदिर बसे हैं लेकिन अगर आपके पास घूमने के लिए समय कम है और वीकेंड पर मथुरा जा रहें हैं तो एक प्लानिंग के साथ आप मात्र दो दिन में भी मथुरा वृंदावन घूम सकते हैं।

कृष्णजन्म भूमि

पहले दिन आप मथुरा की जेल जहां श्री कृष्ण का जन्म हुआ था, वहां घूम सकते हैं। इसे कृष्ण जन्मभूमि कहा जाता है। यहां आपको मंदिर में दर्शन के साथ ही आकर्षक गुफा में घूमने को मिलेगा, जिसके लिए अलग से टिकट लेना पड़ता है। 10 रुपये का टिकट लेकर आप गुफा के अंदर जा सकते हैं, जिसमें श्री कृष्ण की झांकियां साउंड इफेक्ट के साथ दिखाई जाती हैं।

बांके बिहारी मंदिर

यहां से वृंदावन जाएं जहां भगवान कृष्ण को समर्पित श्री बांके बिहारी मंदिर है। इस मंदिर की इमारत राजस्थानी शैली में बनी है। मंदिर में भगवान कृष्ण की छवि बच्चे के रूप में है। इस मंदिर में एक भी घंटी या शंख नहीं है, क्योंकि मान्यता है कि भगवान को यहां इन वाद्ययंत्रों की आवाज पसंद नहीं थी।

रंगनाथ मंदिर

वृंदावन-मथुरा मार्ग पर श्री रंगनाथ मंदिर स्थित है, इसे रंगजी मंदिर भी कहते हैं। यह मंदिर भगवान कृष्ण के अवतार रंगनाथ जी को समर्पित है, जो दक्षिण भारतीय शैली में बना है। यहां भगवान कृष्ण की प्रतिमा दूल्हे के रूप में रखी है। वहं दुल्हन गोदा हैं। यह उत्तर भारत के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है।

प्रेम मंदिर

मथुरा के वृंदावन में स्थित प्रेम मंदिर का नाम सभी ने सुना होगा। जिस तरह आगरा का ताजमहल प्रेम के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। वैसे ही वृंदावन का प्रेम मंदिर भी राधा-कृष्ण के प्रेम की कहानी कहता है। इस मंदिर की खूबसूरती इतनी मंत्र मुग्ध करने वाली है कि वहां दर्शन करने वाले भक घंटों के लिए उसकी भव्यता में खो जाते हैं। साल 2001 में जगद्गुरु श्री कृपालुजी महाराज ने प्रेम मंदिर बनवाया था। इस मंदिर की खूबसूरती भक्तों को आकर्षित करती है। मंदिर परिसर के चारों ओर बगीचे हैं, जहां बड़ी बड़ी झांकियां देखने को मिलती हैं। इस मंदिर में शाम के समय जाना ज्यादा बेहतर रहेगा।

इसके अलावा इस्कॉन मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, निधिवन, गोवर्धन पर्वत, कुसुम सरोवर और यमुना घाट पर भी आप घूमने जा सकते हैं। इन सभी को घूमने के लिए दो दिन पर्याप्त हैं।

हंसना मना है

टीटू - तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए? शीटू - नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है। टीटू- तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है? सही तो कह रही थी नर्स। शीटू- वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

यमराज - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। महिला - बस दो मिनट दे दो। यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी? महिला - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज बेहोश!

पत्नी के जन्मदिन पर पति ने पूछा- तुम्हें क्या गिफ्ट चाहिए? पत्नी की इच्छा नई कार लेने की थी। उसने इशारों में कहा- मुझे ऐसी चीज लेकर दो जिस पर मेरे सवार होते ही वो 2 सेकेंड में 0 से 80 पर पहुंच जाए। शाम को पति ने उसे वजन कांटा लाकर दे दिया। पत्नी अभी भी बेहोश है।

अभी सुबह न ज्ञात किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पति ने शिकायत की। पत्नी बोली- मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

कहानी | बल प्रयोग अंतिम विकल्प

चिड़िया का दाना पेड़ के कंदरे में फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से अनुरोध किया उस दाने को देदे। लेकिन पेड़ ने उसकी नहीं सुनीं। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और अनुरोध किया कि उस पेड़ को काट दो, भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था..फिर चिड़िया राजा के पास गई और कहा बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा...राजा ने चिड़िया को भगा दिया। चिड़िया महावत से बोली अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना, महावत ने भी चिड़िया को डपट कर भगा दिया...चिड़िया फिर हाथी के पास गई और उससे कहा कि अगली बार जब महावत तुम्हारी पीठ पर बैठे तो तुम उसे गिरा देना क्योंकि वो राजा को गिराने को तैयार नहीं...राजा सजा देने को तैयार नहीं...हाथी बिगड़ गया...उसने कहा, ऐ छोटी चिड़िया..तू इतनी सी बात के लिए मुझे महावत और राजा को गिराने की बात सोच भी कैसे रही है? चिड़िया चींटी के पास गई और कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ...चींटी ने कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली अब चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया...उसने कहा कि मैं चाहे पेड़, बढ़ई, राजा, महावत, और हाथी का कुछ न बिगाड़ पाऊं...पर तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूं... चींटी डर गई...भाग कर वो हाथी के पास गई...हाथी महावत के पास, महावत राजा के पास कि महाराज चिड़िया का काम कर दीजिए नहीं तो मैं आपको गिरा दूंगा....राजा ने फौरन बढ़ई पेड़ काटने को कहा, बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...अंत मे चिड़िया ने अपना दाना प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गयी।

कहानी से सीख- आपको अपनी ताकत को पहचानना होगा...भले आप छोटी सी चिड़िया की तरह होंगे, लेकिन ताकत की कड़ियां कहीं न कहीं आपसे होकर गुजरती होंगी...हर शेर को सवा शेर मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

वृषभ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

सत्यभामा को कल ईटीवी वीन पर किया जाएगा स्ट्रीम

बॉलीवुड | मसाला

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से सभी का दिल जीत चुकीं अभिनेत्री काजल अग्रवाल की फिल्म सत्यभामा को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर अच्छी प्रतिक्रिया आ रही हैं। यह फिल्म 7 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म अब एक बार फिर से सुर्खियों में है। सिनेमाघरों में रिलीज के बाद इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। सुमन चिखला द्वारा निर्देशित इस फिल्म को अब एक और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा।

फिल्म सत्यभामा को पहले केवल अमेजान प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को अब 1 अगस्त 2024 से ईटीवी वीन पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। ताकि इस फिल्म को और अधिक दर्शक देख सकें और इस फिल्म का भरपूर आनंद ले सकें। फिल्म में काजल अग्रवाल के अभिनय की जमकर तारीफ हुई साथ ही फिल्म को दर्शकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। सत्यभामा एक प्रभावशाली कलाकारों की कास्ट को पेश करती है, जिसमें प्रमुख भूमिकाओं में काजल अग्रवाल के अलावा प्रकाश राज, नवीन चंद्रा, नागिनेडु, हर्षवर्धन, रवि वर्मा, अंकित कोया, संपादा एन और प्राज्वल यादव शामिल हैं। इस स्टार-स्टडेड कास्ट के साथ, फिल्म ने दर्शकों के दिलों को जीतने में सफलता हासिल की है। फिल्म को बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव तक्कलापेल्ली द्वारा ऑरम आर्ट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया गया है। इसके स्क्रिप्ट की जिम्मेदारी साशी किरण टिक्का ने संभाली है और संगीत श्रीचरण पक्काला ने दिया है। फिल्म की संगीत और पटकथा ने भी दर्शकों की सराहना बटोरी है। काजल अग्रवाल अपने प्रशंसकों की उम्मीद पर खरी उतरी हैं, उन्होंने सत्यभामा से धमाकेदार वापसी करने के बाद इंडियन 2 में भी बेरतरीन काम किया है। इस फिल्म में भी काजल के अभिनय की जमकर प्रशंसा हुई। अब प्रशंसक काजल की और फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सिर्फ एक बंदा काफी है मेरे लिए यह फिल्म हमेशा खास रहेगी : मनोज

बॉलीवुड | गपशप

मनोज बाजपेयी 100 से ज्यादा फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में न सिर्फ अलग-अलग जॉनर की फिल्में की हैं, बल्कि नए-नए निर्देशकों के साथ भी काम किया है। पिछले साल रिलीज हुई उनकी फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है ऐसी ही एक फिल्म है। अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशिन में बनी सिर्फ एक बंदा काफी है एक कोर्टरूम ड्रामा है। हाल ही में अभिनेता ने अपनी इस फिल्म को लेकर एएनआई से बात की है।

अपूर्व सिंह कार्की और मनोज बाजपेयी एक नए कोर्ट रूम ड्रामा के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। सिर्फ एक बंदा काफी है में मनोज बाजपेयी ने वकील की भूमिका निभाई है। फिल्म में वह एक धर्मगुरु द्वारा अन्याय की शिकार लड़कियों को न्याय दिलाने की कोशिश करते हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म को रिलीज हुए एक साल हो गया है। मगर आज भी इसे दर्शकों का बेहद प्यार मिल रहा है।

मनोज बाजपेयी ने कहा, सिर्फ एक बंदा काफी है ने इतिहास रच दिया। इतने सारे लोगों ने इसे देखा है। इसे बहुत सारे पुरस्कार मिले। लोगों ने इसकी सराहना की और इसे प्यार और सम्मान दिया। मेरे लिए यह फिल्म हमेशा खास रहेगी। अपनी नए कोर्ट रूम ड्रामा को लेकर मनोज ने पत्नी शबाना रजा बाजपेयी के जन्मदिन पर एक खास घोषणा की थी। अभिनेता ने साझा किया कि वह अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित एक नए कोर्ट रूम ड्रामा में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। फिल्म इस फिल्म का कोई टाइटल नहीं है। ऑरेगा स्टूडियो द्वारा इसका निर्माण किया जा रहा है, जिसके निर्माता मनोज बाजपेयी, विक्रम खाखर और शबाना रजा बाजपेयी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे तथाकथित मीडिया को खुश करने की जरूरत नहीं : तापसी

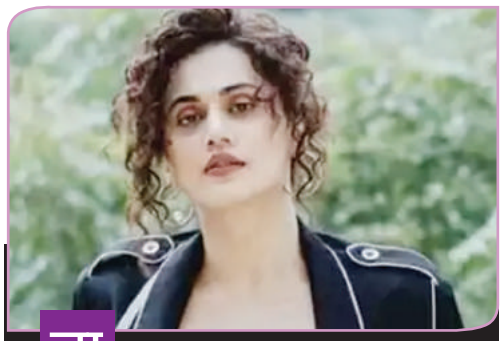

तापसी पन्नू ने हाल ही में पैपराजी के साथ अपनी बार-बार होने वाली बहस पर खुलकर बात की है। पिछले कुछ समय में तापसी पन्नू के कई वीडियोज वायरल हुए, जिसमें वह पैपराजी पर भड़कती नजर आई हैं, लेकिन अब इस मामले में एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि वह फोटोग्रॉफर्स को खुश करने में विश्वास नहीं करती, क्योंकि इससे उन्हें काम नहीं मिलेगा। तापसी पन्नू ने कहा, 'क्लिक कैसे करोगे तुम? मुझे बताओ कि अच्छी बातों पर कौन क्लिक करता है? मुझे बताओ तुमने लास्ट कौन सी अच्छी न्यूज पर क्लिक किया है? अब ये वाली न्यूज ज्यादा सेंसेशनल है कि मैंने पैप्स के बुरा बर्ताव किया। इसलिए हर कोई सोचता है कि क्या हो गया? क्या हो गया? अब तो देखना पड़ेगा। इसलिए यह ऑडियंस के लिए ज्यादा एक्साइटिंग है।' तापसी पन्नू ने आगे कहा, 'मुझे ये चीजें फिल्में नहीं लाकर दे रही हैं। मेरी फिल्में खुद ही बोलती हैं। इसलिए मुझे तथाकथित मीडिया को खुश करने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें मीडिया भी नहीं कहती हूं, क्योंकि वे अपने निजी स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं, ताकि कोई उनके पोर्टल पर क्लिक कर दे बस। मीडिया ऐसा काम नहीं करती है कि कुछ भी लिख दो और वीडियो डाल दो, जिस पर लोगों को क्लिक करना पड़े।' पिछले साल दिसंबर तापसी में पन्नू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह अपनी कार के गेट के सामने पैपराजी को बाहर खड़ा देखकर भड़क गई थीं। तापसी ने पैपराजी से हटने की रिक्वेस्ट की। उन्होंने पैपराजी के बीच से निकलने की कोशिश करते हुए कहा, 'प्लीज किनारे हट जाइये, नहीं तो आप कहेंगे कि धक्का लग गया।' वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें वह विक्रांत मैसी और सनी कौशल के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 9 अगस्त, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

अगस्त में ही खास तरह का 'क्रिस्मस डे' मनाने जा रहा है ये विदेशी शहर

दुनिया में हर जगह क्रिसमस 25 दिसंबर को मनाया जाता है। पर एक अनोखा शहर ऐसा ही भी जो अगले महीने ही अपने तरह का क्रिसमस डे मनाने वाला है, लेकिन जानने वालों का कहना है कि खास बात इस उत्सव में बल्कि समुद्र के किनारे बसा यह अनोखा हॉलिडे डेस्टिनेशन में है। फेस्टिवल का मसकद तो पर्यटकों को यह जताना है कि यह फेस्टिव सीजन में घूमने के लिए एक शानदार जगह है। शहर में टूरिज्म बढ़ाने के मकसद से यह कोशिश ज्यादा ही अनोखी मानी जा रही है। ईस्ट यॉर्कशायर के ब्रिडलिंगटन में 7 अगस्त को 'ब्रिडमास डे' के लिए कई तरह की क्रिसमस गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसमें विल फेरेल की एल्फ की स्क्रीनिंग, समुद्र तट पर फेस्टिव एक्टिविटीज और मजेदार स्नैक्स भी मिलेंगे। शहर के पैंटो, जैक एंड द बीनस्टॉक में कलाकार शहर के चारों ओर दिखाई देंगे, ब्रिडलिंगटन की लैंड ट्रेन त्यौहारी धुनें बजाएगी और ऐतिहासिक जगहों को फेस्टिवल के लिहाज से सजाया जाएगा। काउंसलर निक कोल्टिश ने कहा कि हालांकि यह दिन असामान्य था, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यह मजेदार होगा। कहा, गर्मियों के चरम पर समुद्र तट पर क्रिसमस लाना बेशक असामान्य है, लेकिन उम्मीद है कि लोग फेस्टिव मौज-मस्ती में शामिल होंगे। काउंसलर बारबरा जेफरसन ने कहा कि ब्रिडमास डे एक धमाकेदार दिन होने वाला है। इस कार्यक्रम का मकसद यह दिखाना है कि ब्रिडलिंगटन केवल गर्मियों का डेस्टिनेश नहीं है। क्रिसमस के समय भी यह एक शानदार जगह है क्योंकि हमारे पास निवासियों और पर्यटकों, दोनों के लिए बहुत सारे कार्यक्रम और आकर्षण हैं, जिसमें स्पा में पैंटो और सीवरबी हॉल और गार्डन में विंटर वुडलैंड इवेंट, सांता एक्सप्रेस लैंड ट्रेनें और हमारे अवकाश केंद्र में उत्सव के ऑफ़र शामिल हैं। हालांकि शहर का शीर्ष पर्यटक आकर्षण, आरएसपीबी बेम्पटन क्लिफ्स, जो लगभग पांच लाख समुद्री पक्षियों का घर है, टूरिस्ट के बीच काफी लोकप्रिय है, एक हालिया पांच सितारा समीक्षा ने इसे जरूर जाना चाहिए और बिल्कुल आश्चर्यजनक कहा है। शहर का मुख्य समुद्र तट, ब्रिडलिंगटन साउथ बीच भी टूरिस्ट के बीच लोकप्रिय साबित होता है। दिलचस्प बात यह है कि शहर पहले से ही कई तरह से फेस्टिवल्स के लिए मशहूर है।

अजब-गजब | जनसंख्या के हिसाब से है देश का सबसे बड़ा राज्य

देश का वो राज्य जहां बहती हैं 48 नदियां

भारतीय लोगों के जीवन में देश में बहने वाली नदियां बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेती-बारी से लेकर भारतीय धर्मों में भी इनका बहुत ज्यादा महत्व है। इंटरनेट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, देश में कुल 400 से ज्यादा छोटी-नदियां बहती हैं। इनमें से ज्यादातर 8 प्रमुख नदियों में मिल जाती हैं, जिसमें गंगा, सिंधु, गोदावरी, नर्मदा, ब्रम्हपुत्रा, कृष्णा, यमुना और ताप्ति जैसी नदियां शामिल हैं। ये तमाम नदियां खेती के लिए लाभदायक उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का उत्तम स्त्रोत होती हैं। नदियां न केवल जल प्रदान करती हैं, बल्कि घरेलू एवं औद्योगिक गंदे व अवशिष्ट पानी को अपने साथ बहकर भी ले जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश का वो कौन-सा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा नदियां बहती हैं?

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस राज्य में 48 से भी ज्यादा नदियां बहती हैं, जिनमें से ज्यादातर नदियों का विलय गंगा में हो जाता है। यकीन मानिए, इस सवाल का जवाब बहुत से लोग नहीं जानते होंगे। वैसे बात नदियों की करें तो हम भारतीय नदियों को सिर्फ जल स्त्रोत के रुप में नहीं देखते हैं, हम उन्हें जीवनदायिनी देवी-देवताओं के रुप में देखते हैं। वैसे, हम फिर वापस सवाल पर आते हैं कि क्या आप उस राज्य का नाम जानते हैं, जहां सबसे अधिक नदियां बहती हैं। अगर नहीं जानते तो हम आपको थोड़ा इशारा कर देते हैं। वो राज्य देश में जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा है।

जी हां, हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश का। यूपी देश का वो राज्य है, जहां सबसे ज्यादा कुल 48 नदियां बहती हैं। इसमें प्रमुख रुप से गंगा, यमुना, चम्बल, घाघरा और बेतवा नदी शामिल हैं, जो लोगों के जीवनयापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आइए आज हम आपको उन सभी नदियों के नाम बताने जा रहे हैं, वो भी अल्फाबेटिकल, जो उत्तर प्रदेश से होकर गुजरती हैं। इनमें से कई नदियां दूसरी नदियों में मिल जाती हैं। जैसे इलाहाबाद में गंगा नदी में यमुना और सरस्वती मिलती हैं। हालांकि, इस लिस्ट में सरस्वती नदी का नाम शामिल नहीं है, क्योंकि वो अब कहीं दिखाई नदीं देती है।

उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों के इस लिस्ट में बनारस में बहने वाली अस्सी नदी, नेपाल से आने वाली बाबई नदी, बकुलाही नदी, बनास नदी, बेलन, बेसु, बेतवा, भैंसाही, भैंसाई, चम्बल, छोटी सरयू, देवहा, धासन, जॉनपुर में बहने वाली गांगी, गंगा, गोमति, घाघरा, हिंडन, जामनी, काली नदी, कहार, कर्मनासा, कथाना, केन, खोखरी नदी, उत्तराखंड से निकलने वाली कोसी, कुकरैल नदियां शामिल हैं। इसके अलावा मगई नदी, मेघाई, पिराई, रामगंगा, रिहांड, रोहनी, साई नदी, सरायन, ससुर खदेरी, सेंगर, शारदा, सिंध, सोन नदी, सोत, सुहेली, तमसा, उल नदी, वरुणा, वकाल, वेस्ट राप्ती और यमुना नदी। ये कुल 48 नदियां हैं, जो यूपी में बहती हैं।

पीएम की झूठ बोलने की आदत अब सरकार में भी फैली : जयराम

» वायु प्रदूषण और मौतों के बीच संबंध के आंकड़े नहीं होना सरकार का स्तब्ध करने वाला जवाब : कांग्रेस

» लैंसेट पत्रिका में जारी हुए थे आंकड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में एनडीए सरकार द्वारा वायु प्रदूषण से संबंधित आंकड़ा न होने की बात कहने पर कांग्रेस ने जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने राज्यसभा में सरकार के इस दावे को 'चौंकाने वाला झूठ' करार दिया कि देश में ऐसा कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है जो यह साबित कर सके कि मृत्यु या बीमारी का सीधा संबंध वायु प्रदूषण से है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सरकार की नीतिगत अराजकता और अप्रभावी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम इन हजारों मौतों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि स्वयंभू अवतारी प्रधानमंत्री की झूठ बोलने की आदत उनकी सरकार में भी फैल गई है। दरअसल, विपक्षी दल स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा राज्यसभा में पूछे गए सवाल पर दिए गए जवाब को लेकर प्रतिक्रि या दे रहा था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि आज राज्यसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री ने वायु प्रदूषण के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए दावा किया कि 'देश में केवल वायु प्रदूषण के कारण मृत्यु/बीमारी के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। यह एक चौंकाने वाला झूठ है। इसी महीने की शुरुआत में प्रतिष्ठित लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन से जानकारी मिली है कि भारत में होने वाली सभी मौतों में से 7.2 प्रतिशत वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। केवल 10 शहरों में हर साल लगभग 34,000 मौतें होती हैं।

ईपीएफओ के आंकड़े खोल रहे बेरोजगारी की पोल : कमलनाथ

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ईपीएफओ के जारी आंकड़े को लेकर मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। ईपीएफओ की तरफ से हाल ही में जारी वर्ष 2023-24 के आंकड़े के अनुसार देशभर में सात लाख और मध्य प्रदेश में 29 हजार नौकरियों में कमी आई है। पूर्व सीएम ने कहा यह स्थिति चिंताजनक है। प्रदेश में पहले ही बेरोजगारों की बड़ी संख्या है, जो कभी पटवारी भर्ती, नर्सिंग, व्यापमं और आरक्षक भर्ती घोटालों से परेशान है। पूर्व सीएम ने आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह न तो सार्वजनिक क्षेत्र में और न ही निजी क्षेत्र में नौकरियों की सृजन के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। कमलनाथ ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की नीति में पारदर्शिता का अभाव है और वह केवल इवेंटबाजी और कपोलकल्पित वादों में व्यस्त है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि प्रदेश का युवा इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, कमलनाथ ने दावा किया कि वह हर कदम पर युवाओं के साथ खड़े रहेंगे और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे।

कुशीनगर और फतेहपुर के बदले गए एसपी

» यूपी में आईपीएस अफसरों के तबादले

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में आठ आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। वहीं, कुशीनगर और फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। आईपीएस संतोष कुमार मिश्रा को कुशीनगर का नया एसपी नियुक्त किया गया है। इसी तरह आईपीएस धवल जायसवाल को फतेहपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। आईपीएस अजय कुमार को 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में सेनानायक के पद पर तैनाती दी गई है।

आईपीएस अभिषेक यादव को प्रयागराज रेलवे में पुलिस अधीक्षक तैनात किया गया है। इसी तरह आईपीएस उदय शंकर सिंह को पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण एवं सुरक्षा) लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है।आईपीएस शुभम पटेल को अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनाती दी गई है। आईपीएस श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को 38वीं वाहिनी पीएसी में सेनानायक के पद पर नियुक्ति दी गई है। आईपीएस विवेक चंद्र यादव को प्रयागराज कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनाती दी गई है।

पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन संघ लोक सेवा आयोग की बनीं नई मुखिया

» सरकार ने जारी किया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के नए चेयरमैन का सरकार ने ऐलान कर दिया है। 1983 बैच की ड्रुस अधिकारी प्रीति सूदन को नया अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 1 अगस्त 2024 से लागू होगी। गौरतलब है कि ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर विवाद के दौरान ही यूपीएससी के पूर्व चेयरमैन मनोज सोनी के इस्तीफा के बाद ये पद खाली हुआ था। प्रीति पूर्व स्वास्थ्य सचिव रही हैं।

वह 2022 से पीएससी की सदस्य हैं। गौरतल ब है कि पूजा खेडकर विवाद सामने आने के बाद यूपीएससी के पूर्व चीफ महेश सोनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। प्रीति आंध्र प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। वो खाद्य प्रसंस्करण और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन विभाग की सचिव रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने महिला और बाल विकास विभाग और रक्षा मंत्रालय में भी काम किया है। केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और आयुष्मान भारत का क्रेडिट जाता है। वो अप्रैल 2025 तक इस पद पर बनी रहेंगी।

कोचिंग सेंटरों के लिए लाएंगे कानून: आतिशी

» आप ने कहा- अब केंद्र का इंतजार नहीं किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि आप सरकार पुराने राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर सिविल सेवा के तीन उम्मीदवारों की मौत पर आक्रोश के बीच कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए कानून लाएगी। आतिशी ने कहा, वहां सभी कोचिंग सेंटरों ने नाले पर अतिक्रमण कर लिया था, जिसकी वजह से पानी नीचे नहीं जा रहा था।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इलाके में जल निकासी व्यवस्था में गाद जमी हुई थी। इसके अलावा, इमारत के बेसमेंट का इस्तेमाल लाइब्रेरी के तौर पर किया जा रहा था, जबकि अधिकारियों ने इसे स्टोरेज के तौर पर इस्तेमाल करने की मंजूरी दी थी।

आतिशी ने कहा कि इलाके में अतिक्रमण रोकने के लिए जिम्मेदार जूनियर इंजीनियर को एमसीडी ने हमेशा के लिए बर्खास्त कर दिया है। सहायक इंजीनियर को भी निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, छह दिनों में मजिस्ट्रेट रिपोर्ट आ जाएगी और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन दिनों में कोचिंग सेंटरों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से गिरा दिया गया है। दिल्ली की मेयर शेली ओबेरॉय के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि राऊ के आईएएस स्टडी सर्किल कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी के बाद 30 कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट को सील कर दिया गया है और 200 संस्थानों को नोटिस जारी किया गया है।

हम छात्रों की मांगों को सुनेंगे : शेली ओबेरॉय

शेली ओबेरॉय ने कहा कि हम छात्रों की मांगों को सुनेंगे, हम जल्द ही उनके साथ बैठक करेंगे और उसके बाद हम कोचिंग संस्थान विनियमन अधिनियम लाएंगे। एमसीडी की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आतिशी ने कहा कि घटना के पीछे मुख्य कारण कोचिंग सेंटरों द्वारा नाले के किनारे अतिक्रमण करना था, जिसके कारण बाढ़ का पानी कम नहीं हो पाया।

भारत ने किया श्रीलंका का टी20 सीरीज में सफाया

» अंतिम मुकाबले में सुपर ओवर में भारत को मिली जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रीलंकाई टीम को तीन मैचों की टी20 सीरीज में भारत के हाथों क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। पल्लेकल में खेला गया तीसरा टी20 मैच भारत ने अपने नाम किया। इस मैच का नतीजा सुपर ओवर में निकला, जहां श्रीलंका ने भारत को महज 3 रन का टारगेट दिया, जिसे सूर्या ने पहली गेंद पर चौके के साथ हासिल किया।

तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंकाई टीम की हार के बाद कप्तान चरिथ असलंका काफी नाराज नजर आए। उन्होंने टी20 सीरीज हारने के बाद बैटर्स पर भड़ास निकाली और मध्यक्रम बल्लेबाजों की गलत शॉट सेलेक्शन की भी आलोचना की। बता दें भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट खोकर 137 रन बनाएं। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही और महज 14 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। फिर शुभमन गिल और रियान पराग ने पारी को संभाला और भारत का स्कोर सम्मान जनक तक पहुंचाया। जवाब में श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रहने के बावजूद मैच के अंतिम ओवरों में जल्दी विकेट खोकर मैच टाई ही कर सकी। और सुपर ओवर में सिर्फ दो रन ही बना सकी जिससे भारत ने पहली ही गेंद में चौका मारकर मैच जीत लिया।

रिंकू सिंह का डबल धमाल

रिंकू सिंह ने भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ गेंदबाज़ी में कमाल किया। सीरीज़ के तीसरे टी-20 में रिंकू ने 2 विकेट लेकर मुकाबले में टीम इंडिया की वापसी करवाई थी। रिंकू सिंह ने पारी का 19वां ओवर डाला था। इस मैच के ज़रिए टी20 इंटरनेशनल में रिंकू ने बॉलिंग डेब्यू किया था। रिंकू की बॉलिंग पर हेड कोच गौतम गंभीर काफी खुश दिखाई दिए। जैसे ही रिंकू ने विकेट लिया, वैसे ही सीरियस दिखने वाले हेड कोच गौतम गंभीर के चेहरे पर मुस्कान आ गई। गंभीर का यह रिएक्शन तेज़ी से वायरल हो रहा है। जब रिंकू बॉलिंग के लिए आए थे, तब श्रीलंका को जीत के लिए 2 ओवर में सिर्फ 9 रनों की दरकार थी। रिंकू के ओवर की शुरुआत से पहले तो लग रहा था कि श्रीलंका आसानी से जीत लेगी, लेकिन उन्होंने ने तो पूरा खेल ही पलट दिया। रिंकू ने अपने ओवर में सिर्फ 03 रन खर्चे, इतना ही नहीं, रिंकू ने 2 विकेट भी चटकाए।

बिजली के मुद्दे को लेकर विस में सपा ने योगी सरकार को घेरा

» सत्र के तीसरे दिन सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी बहस

» लो वोल्टेज और खराब ट्रांसफार्मर न बदले जाने से लोग परेशान : प्रभु नारायण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र के तीसरे दिन सदन में सत्ता पक्ष व विपक्ष में जोरदार बहस जारी रही। प्रमुख विपक्षी दल सपा ने योगी सरकार को जनहित के मुद्दों पर जमकर घेरा। बिजली आपूर्ति, लो वोल्टेज और ट्रांसफार्मर न बदले जाने को लेकर सपा और भाजपा के बीच जमकर नोकझोंक हुई। विपक्ष के विधायक प्रभु नारायण सिंह ने सवाल उठाया कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज एक समस्या है जिससे कि नलकूप तक नहीं चल पाते हैं किसानों को मुश्किल होती है। उन्होंने कहा कि कई बार मौसम खराब होने के कारण ट्रांसफार्मर खराब हो जाते हैं जो कि 15-15 दिनों तक नहीं बदले जाते हैं जबकि 72 घंटे में बदलने का प्रावधान है। इससे इस भीषण गर्मी में लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ता है।

फोटो: सुमित कुमार

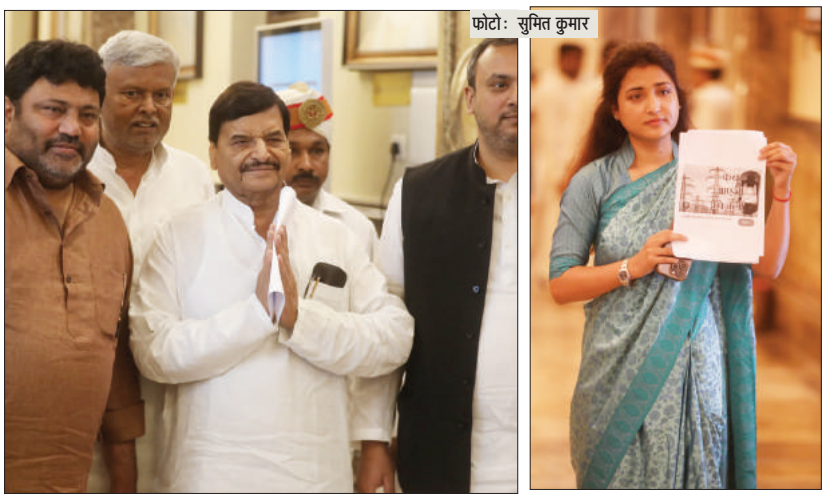

हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ : एके शर्मा

इस पर जवाब देते हुए ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि इस सरकार ने वर्तमान दौर में प्रदेश में बिजली आपूर्ति में रिकॉर्ड बनाया है। इस तरह की पावर सप्लाई पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सपा सदस्य को बताना चाहिए कि कहां पर 15 दिनों तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते हैं। अगर ऐसा कहीं है तो कार्यवाई की जाएगी। उन्होंने सपा सरकार को निशाने पर लेकर कहा कि हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ है। हमने रिकॉर्ड पावर सप्लाई की है।

यूपी मानसून सत्र का तीसरा दिन

यूपी मानसून सत्र के तीसरे दिन सीएम के साथ सत्तादल व विपक्ष के विधायकों ने बढ़-चढ़कर जहां हिस्सा लिया।

फोटो :4 पीएम

आक्रोश मंगलवार को मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर अनुराग ठाकुर का पुतला फूंकते कांग्रेसी।

मूसलाधार बारिश ने लखनऊ को किया पानी-पानी

विधानसभा से लेकर नगर निगम तक जलमग्न, थम गई शहर की रफ्तार, लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के जिलों को पिछले दो सप्ताह से जारी उमस भरी गर्मी से बुधवार को राहत मिली। सुबह से छाए बादल दोपहर आते-आते जमकर बरस गए। हालांकि उमस से तो लोगों को राहत मिली पर मानसून के बारिश से इतना पानी हो गया कि पूरे शहर के गली-मोहल्ले तो क्या विधानसभा से लेकर कई सरकारी विभाग जलमग्न हो गए।

उधर बारिश की वजह से शहर की रफ्तार भी थम गई। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक अलर्ट घोषित करते हुए लोगों को घरों में रहने की सलाह दी है। अब अगले कुछ दिन राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से मिले अपडेट के मुताबिक यूपी में मानसून फिर से सक्रिय हो रहा है। मंगलवार को तराई समेत पूर्वी और दक्षिणी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश से लोगों को थोड़ी राहत लिखनऊलखनऊमली। बुधवार से अगले कुछ दिन पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है।

वायनाड भूस्खलन: मरने वालों की संख्या बढ़ी

» 168 से ज्यादा शव मलबे से निकाले गए सेना ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। वायनाड भूस्खलन में जाने गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 168 हो गई है। राज्य के स्टेट रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने इसकी जानकारी दी है। रेस्क्यू ऑपरेशन मंगलवार से ही जारी है। उधर राज्य के सीएम, केंद्रीय मंत्री व बंगाल के राज्यपाल ने आपदाग्रस्त स्थानों का दौरा किया।

बचाव अभियान कल सुबह से जारी है। कल खराब मौसम की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में बाधा आई, आज हालात काफी बेहतर हैं और बारिश नहीं हो रही है, हमारे पास सेना, एनडीआरएफ, नौसेना, राज्य पुलिस और वन विभाग के साथ-साथ स्थानीय स्वयंसेवकों के लगभग 500 से 600 बचावकर्मी हैं, हम उस पुल को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, जो बह गया था।

पीड़ितों से मिले केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कल उस क्षेत्र का जायजा लिया जहां भूस्खलन हुआ था और राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की। उन्हें घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लेते हुए भी देखा गया।

केरल सचिवालय पर झुका आधा झंडा

वायनाड भूस्खलन के बाद पीड़ितों को याद करने के लिए राज्य में दो दिवसीय शोक का ऐलान किया गया है। इस मौके पर केरल सरकार सचिवालय में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका हुआ है।

खराब मौसम के चलते राहुल, प्रियंका का वायनाड का प्रस्तावित दौरा स्थगित

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रतिकूल मौसम के चलते वायनाड का अपना प्रस्तावित दौरा स्थगित कर दिया है। दोनों बुधवार सुबह वायनाड रवाना होने वाले थे। राहुल गांधी ने मंगलवार रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रियंका और मैं भूस्खलन से प्रभावित परिवारों से मिलने और स्थिति का जायजा लेने के लिए कल वायनाड जाने वाले थे। हालांकि, लगातार बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण हमें अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया है कि विमान उतर नहीं सकेगा। उन्होंने कहा, ''मैं वायनाड के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम जल्द से जल्द दौरा करेंगे। इस बीच, हम स्थिति पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।